

प्रेषक,

पी०सी०शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद,
देहरादून।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 19 मार्च, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-23 के लेखाशीर्षक संख्या-3425 के अन्तर्गत आयोजनागत मद में स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ वैज्ञानिक सलाहकार, उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यू-सर्की) के पत्र संख्या: वा०टै०भ०/अ०स०, उ०शा०/०७/२०९(१), दिनांक: ०७.१२.२००७ के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष २००७-०८ में अनुदान संख्या-२३ के लेखाशीर्षक ३४२५-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्नलिखित शर्तों के अधीन रुपये १००.०० लाख (रुपये एक करोड़ मात्र) की धनराशि को आधक निर्वतन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

२. वित्तीय वर्ष २००७-०८ में आवंटित कुल धनराशि की सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाए।
३. यह स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज नियमों एवं वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन हो अर्थात् आवंटित धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूलस एवं मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का पूर्णतः अनुपालन किया जायेगा।
४. व्यय करने से पूर्व जहाँ सक्षम अधिकारी का प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसे व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही व्यय किया जायेगा।
५. व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, अतः मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये।
६. मासिक आधार पर व्यय विवरण एवं उक्त धनराशि का उपयोगिता/उपभोग प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए एवं अन्ततः वर्षान्त पर सम्पूर्ण आवंटित धनराशि का व्यय विवरण व उपयोगिता/उपभोग प्रमाण-पत्र तथा किये कार्यों का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जाए।
- ७- स्वीकृत की जा रही धनराशि का समय से उपयोग करते हुए व्यय का विवरण पूर्व में स्वीकृत मानक मदों की धनराशि को समायोजित करने हुए यथा समय प्रत्येक माह बी०एम-१३ पर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

8- अतः वर्ष में कुल आवंटित धनराशि उक्तानुसार इंगित योजनाओं के सापेक्ष योजनावार अनुमोदित परिव्यय की सीमा के अधीन ही व्यय की जायेगी एवं व्यय करने से पूर्व परिषद द्वारा संबंधित योजनाओं/कार्यों हेतु कार्य योजना/Bench marks पर तथा तदनुसार व्यय हेतु अनुमोदन प्राप्त कर शासन से भी अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा। यदि उक्त इंगित किन्हीं योजनाओं में अधिक व्यय किया जाना प्रस्तावित हो अथवा/और अन्य योजनाओं/मदों में व्यय प्रस्तावित हो तो उस हेतु भी उक्तानुसार परिषद व शासन से पूर्वानुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा एवं साथ ही आवश्यक पुनर्विनियोग भी स्वीकृत करा लिया जायेगा।

9. स्वीकृत धनराशि के बिल जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के उपरान्त कोषागार में जमा कराते हुए धनराशि आहरित की जाए।

10. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु अनुदान संख्या-23 मुख्य लेखाशीर्षक 3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान, 60-अन्य, 004-अनुसंधान तथा विकास, 09-उत्तराखण्ड विज्ञान एवं शिक्षा अनुसंधान केन्द्र की स्थापना-00-आयोजनागत के अन्तर्गत मानक मद संख्या-42-अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

11. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 1474/वि0अनु-5/07, दिनांक: 13 मार्च, 2008 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी0सी0शर्मा)


प्रमुख सचिव।

संख्या-196 (1)/XXXVIII/बजट/07-57/वि0प्रौ0/2007, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2. आयुक्त कुमायूँ मण्डल।
3. जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उधमसिंहनगर।
6. प्रभारी निदेशक, राज्य बायोटेक्नोलॉजी कार्यक्रम एवं उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यू-सर्की), हल्दी, उधमसिंह नगर।
7. वित्त अनुभाग-5 उत्तराखण्ड शासन।
8. समन्वयक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(लक्ष्मण सिंह)

अनु सचिव।

५